

Editorial

India has the distinction of having the second largest health programme in the world after China. In this regard, National Tuberculosis Institute has been actively involved in extensive training activities. Expansion of Revised National Tuberculosis Programme (RNTCP) continues to be focused on Directly Observed Treatment Short-course (DOTS) strategy. Both National and International participants are benefited through this training which includes field exposure where the ground realities may be different from the expectations. Apart from the regular trainings, Epidemiological Section trained WHO in-country participants from Agartala, Tripura, Imphal & Manipur in TB control and Epidemiology. The participants were also sensitized in protocol writing and encouraged to prepare reports about their assignments, which has been reflected in this issue.

An important paper titled "local problems, local solutions: improving TB control at district level in Malawi" by Paul M.Kelly, has been reproduced in this bulletin for the benefit of readers. Under field experience, members of ARTI survey team, Ms. Pushpa Patnaik & Rashmi Ranjan Mohanthy from Orissa State have also contributed through their observations in the form of brief reports. Other highlights of this issue are motivation message and poems on control of TB composed by P.R.Latha Kumari, Senior TB Laboratory Supervisor from M.S.Ramaiah Medical Hospital and Dr.Deepthi Prakash Saxena from Padmanabhpur, Durg, M.P. respectively.

The brief reports on the progress of ongoing Health InterNetwork project, training & supervisory activities, IEC & Scientific Gallery development at NTI for the period of July to December 2004 besides routine abstracts of select bibliography of medical literature on TB and news and views are the other features covered in this issue.

Wishing you a happy and purposeful reading.

Editor

भारत का, चीन के बाद विश्व में द्वितीय बृहत् स्वास्थ्य कार्यक्रम सम्पन्न करने की ख्याति है । इस संबंध में, राष्ट्रीय क्षय रोग संस्थान गहन प्रशिक्षण क्रियाकलापों में सक्रिय रूप से संलग्न है । संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग कार्यक्रम (आर एन टी सी पी) का विकास प्रत्यक्ष रूप से प्रेक्षित चिकित्सा लघु अवधि (डी ओ टी एस) युक्ति पर केंद्रित है । दोनों राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी इस प्रशिक्षण से लाभान्वित हैं, जिसमें वास्तविक क्षेत्र अनावरित होता है जहाँ की वास्तविकताएँ प्रत्याशा से भिन्न हो सकती हैं । नियमित प्रशिक्षण के अलावा, जानपदिक रोगविज्ञान अनुभाग ने क्षय रोग नियंत्रण एवं जानपदिक रोग विज्ञान में, अगरतला, त्रिपुरा, इम्फाल एवं मणिपुर के विश्व स्वास्थ्य संगठन के देशी प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया । प्रतिभागियों को संलेख लेखन की ओर सुग्राही बनाया गया और अपने कार्य निर्वहण की रिपोर्टें बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जो इस अंक में प्रस्तुत है ।

पाठकों के लाभार्थ पॉल एम.केल्ली के महत्वपूर्ण लेख “स्थानीय समस्याएँ, स्थानीय समाधान: मालावी में जिला स्तर पर क्षय रोग नियंत्रण को सुधारना” को इस बुलेटिन में पुनर्प्रकाशित किया गया है । क्षेत्र अनुभव के अंतर्गत, ए आर टी आई सर्वेक्षण टीम के सदस्य, उड़ीसा राज्य की सुश्री पुष्पा पटनायक एवं रश्मि रंजन मोहंती ने भी संक्षिप्त रिपोर्टों के तौर पर अपने प्रेक्षकों का योगदान दिया है । इस अंक की अन्य विशिष्टताएँ हैं, प्रेरणा संदेश एवं क्षय रोग नियंत्रण पर कविता जिसकी रचयिता हैं, क्रमशः पी.आर.लता कुमारी, वरिष्ठ क्षय रोग प्रयोगशाला अधीक्षक, एम.एस.रामय्या मेडिकल अस्पताल और डॉ.दीप्ति प्रकाश सक्सेना, पद्मनाभपुर, दुर्ग ।

इस अंक में पेश अन्य विशिष्टताएँ हैं, क्षय रोग पर चिकित्सीय साहित्य की चुनी गई पुस्तकों की सूची के नियमित सार एवं समाचार व दृष्टिकोण के अलावा जारी स्वास्थ्य इंटरनेट परियोजना, प्रशिक्षण एवं अधीक्षण क्रियाकलापों की प्रगति, जुलाई से दिसम्बर 2004 की अवधि के लिए एन टी आई में आई ई सी व वैज्ञानिक गैलरी का विकास ।

सुखद एवं प्रयोजनकारी पठन की शुभकामनाओं के साथ ।

सम्पादक